

११.५.२५ पत्रावली पेश हुई। वकील फरीकें उपस्थित रहकर
T.१ सुनी गई। पत्रावली का इंतजाम किताब
मूल दावा में आगरी तारीख पेशी नियत है। जो
साक्ष्य प्रतिकारी हैं। वकील सापलाणन दावे के
निर्णय तक वादग्रस्त भूमि की अस्थावित्त वनों के
रखने का निवेदन किया है। वकील और सापलाणन
के भूमि अपनी खातेदाही की होना कथन किया है।

प्रकरण की स्थिति को देखते हुये भूमि की
स्थिति को तो फेंसला दावा अर्थात् रखने उचित
प्रतीत होता है।

नोट : प्रायः पत्र सापलाणन आशिक्षस्वीकार
किया जाता है। सापलाणन और सापलाणन की तो
फेंसला वाद पत्र आस्थावित्त निधे धाजा लिपि लिख
किया जाता है। कि वह वादग्रस्त आराजी रखे
नं० १२ रकवा १० वीधा ०१ विस्वा ग्राम परगने
परवार हलक शोठ तहसील मण्डरायल की मोक
व राजस्व रिकॉर्ड की स्थिति अर्थात् वनाके रखे
पत्रावली फेंसल शुकादिक मूल दावे के साथ
सलग है। आदेश सुनाया गया।

उप खण्ड अधिकारी
मण्डरायल